महत्वपूर्ण एवं खास

आदिवासी कन्या आश्रम में छात्रा की संदिग्ध अवस्था में मौत

सूरजपुर-रायपुर (आरएनएस)। जिले के डेडरी गांव में स्थित आदिवासी कन्या आश्रम में एक छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। छात्रा दूसरी कक्षा में पढ़ती थी। मौत के कारणों का अभी खुलासा नहीं हो पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद इसका खुलासा होगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार पूरा मामला कोतवाली थाना इलाके का है। मृतका छात्रा खुशमनी सिंह रामानुजनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सुरता निवासी मनोज सिंह की बेटी थी। वह ग्राम पंचायत डेडरी में संचालित आदिवासी कन्या आश्रम में यहां 2 वर्षों से रहकर पढ़ाई करती थी। शुक्रवार को छात्रा के गाल में सूजन आने पर आश्रम कर्मचारी द्वारा बेलाडोना पट्टी चिपका दिया गया था। इसके बाद छात्रा अपने कक्षा में पढ़ाई करने चली गई थी। कक्षा से शाम को वापस लौटने के बाद देर रात आश्रम की प्यून जशवंती राजवाड़े ने छात्रा के पास जाकर उसका हाल-चाल पूछा था। छात्रा 9 नवंबर को सोकर सुबह करीब पौने 6 बजे तक नहीं उठी तो आश्रम के कर्मचारियों द्वारा उसे तत्काल संजीवनी 108 से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिश्रामपुर लाया गया। यहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दो दंतैल की दस्तक से क्षेत्रवासियों में दहशत

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (आरएनएस)। कोरिया कॉलरी स्थित वार्ड क्रमांक 8 के पोखरी दफाई छठ घाट में दो दंतैल हाथी जंगल की ओर से विचरण करते हुए घुस आए जो कि काफी मशक्कत के बाद उस क्षेत्र से निकल कर पास में ही लगे नर्सरी से अलग अलग दिशा में अंधेरे का फायदा उठा गायब हो गए। चिरमिरी नगर पालिका निगम के कोरिया कालरी स्थित पोखरी दफाई में शाम ढलने के बाद जब अंधेरा बढ़ रहा था तभी दो दंतैल जंगल के रास्ते मोहल्ले में घुसे जब स्थानीय लोगों ने उन्हें देखा तो ज़ोर ज़ोर से उनके आने की सुचना सभी को दिया गया जिससे दंतैल हाथीयों ने छठ घाट की ओर रुख करते हुए गहरे तालाब में चले गए। जिसे देखने छठ घाट पर लोगों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया। मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस व वन अमले को दी गई जिस पर बिना किसी देरी किए पुलिस चौकी कोरिया की व वन विभाग कोरिया कालरी के छठ घाट पहुंचे जहां पर लोगों को दंतैल हाथीयों के करीब न जाने की समझाइश देते हुए सुरक्षा की दृष्टि से दुरी बनाए रखने की बात कहते हुए उक्त तालाब से दंतैलो को बाहर निकालने की शुरुआत की गई।

बस्तर फाइटर ने खुद को मारी गोली

कोंडागांव-रायपुर (आरएनएस)। जिले में आज सुबह एक बस्तर फाइटर ने खुद को गोली मारकर जान ले ली. जवान हरिलाल नाग छुट्टी पर फरसगांव ब्लाक अंतर्गत अपने गांव ग्राम बारदा गया हुआ था. इसी दौरान उसने अपने घर में ही अपनी पिस्टल से खुद को गोली मार दी.इस घटना से इलाके में हडक़ंप मच गया है. जवान ने अपनी जान क्यों ली, इसका कारण फिलहाल पता नहीं चल सका है। वहीं सूचना मिलने पर घटना की सूचना मिलते ही फरसगांव एसडीओपी अनिल विश्वकर्मा और केशकाल एसडीओपी भूपत सिंह समेत स्थानीय पुलिस भी घटनास्थल पहुंची हुई है. फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

अधेड़ महिला के खाते से 3 लाख से अधिक रकम पार

रायपुर (आरएनएस)। अधेड़ महिला के खाते से अज्ञात आरोपी ने 3 लाख 41 हजार रुपए आहरण कर लिया। प्रार्थिया की शिकायत पर राजेन्द्र नगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया नीशा कांति सालनी 69 वर्ष पामग्रो मारूति रेसीडेंसी अमलीडीह न्यू राजेन्द्र नगर की रहने वाली है। प्रार्थिया ने थाना में शिकायत किया कि उसके पास अज्ञात मोबाइल धारक 74391-23826 से कॉल आया। उक्त व्यक्ति ने प्रार्थिया से कहा कि आपको नया एटीएम कार्ड जारी हुआ है कहकर ओटीपी नंबर पूछा और उसके खाता से 2 बार में अज्ञात आरोपी ने 3 लाख 41 हजार रुपए आहरण कर लिया। प्रार्थिया की शिकायत पर राजेन्द्र नगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

पीएमश्री स्कूल में गढ़ा जा रहा है छत्तीसगढ़ का स्वर्णिम भविष्य

❑ बच्चों की मुस्कान कर रही है स्कूल के खुशनुमा माहौल का बयान

❑ सर्वसुविधायुक्त स्कूल का सपना हो रहा है साकार

रायपुर। आरएनएस

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में राज्य में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा स्कूली बच्चों के समग्र विकास के प्रयास तेजी से किए जा रहे हैं। राज्य में पीएमश्री योजना के सफल क्रियान्वयन से राज्य के 341 स्कूलों में शिक्षा और अध्ययन-अध्यापन का माहौल बेहतर हो रहा है। पीएमश्री योजना में शामिल राजनांदगांव जिले के 11 स्कूलों का न सिर्फ कायाकल्प हुआ है, बल्कि वहां अध्ययन-अध्यापन को लेकर बेहतर माहौल बना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई पीएमश्री योजना अंतर्गत स्कूली बच्चों के भविष्य को गढऩे एवं तराशने का कार्य किया जा रहा है। पीएमश्री योजना में शामिल राजनांदगांव जिले की डुन्डेरा शासकीय प्राथमिक शाला, इस योजना की सफलता की एक बानगी मात्र है। पीएमश्री योजना के माध्यम से इस शाला के कायाकल्प को देखकर ही सुखद अनुभूति होती है। इसका एहसास यहां के स्कूली बच्चों के चेहरे पर आई मुस्कान को देखकर सहज ही होता है। पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला डुन्डेरा में पढऩे वाले बच्चों की मुस्कान स्कूल के खुशनुमा माहौल को बयान करती है। सर्वसुविधायुक्त स्कूल की परिकल्पना प्राथमिक शाला डुंडेरा में सार्थक हुई है, जहां न केवल बच्चों की शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जा रहा है बल्कि बच्चों को पीएमश्री पौष्टिक आहार भी दिया जा रहा है। पीएम योजना के तहत लगभग 4 लाख 15 हजार रूपए की राशि से पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला डुन्डेरा का कायाकल्प किया गया है। इस स्कूल को ग्रीन स्कूल की तर्ज पर विकसित किया गया है। स्वच्छ और हरे-भरे वातावरण के लिए स्कूल परिसर में पौधे रोपित किए गए हैं। स्कूल के फर्श पर सुन्दर टाइल्स लगाए गये है। दीवारों पर ज्ञानवर्धक खूबसूरत पेटिंग बनाई गई हैं। पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला डुन्डेरा में बच्चों के लिए संगीत, विभिन्न खेल गतिविधियां तथा व्यक्तित्व विकास हेतु अन्य गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। बच्चों के लिए स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के लिए वाटर फिल्टर लगाया गया है। बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण भी समय-समय पर कराया जाता है। स्कूल में 109 बच्चे अध्ययनरत है। यहां स्मार्ट क्लास, खेल मैदान, म्यूजिक क्लास रूम, मध्यान्ह भोजन की सुविधा है। स्कूल में पीएमश्री मुस्कान पुस्तकालय भी है, जहां दीवारों में उकेरी गई पेंटिग तथा प्रेरक पंक्तियां बच्चों को पाठ्य पुस्तकों को पढऩे के लिए प्रेरित करती हैं। लाईब्रेरी में मिसाईल मैन एवं देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पंक्तियां एक अच्छी पुस्तक हजार दोस्तों के बराबर होती है, जबकि एक अच्छा दोस्त एक लाईब्रेरी के बराबर होता है, जैसी प्रेरणादायक पंक्तियां लिखी हुई है। स्कूल में बच्चों के लिए पर्याप्त खेल सामग्री एवं म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट उपलब्ध है। सोमवार से शनिवार तक दोपहर 1 बजे भोजन दिया जाता है, साथ ही बच्चों को खेल सामग्री भी प्रदान की जाती है। उल्लेखनीय है कि जिले में कुल 11 पीएमश्री स्कूल हैं, जहां बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान की जा रही है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में अनेक नई पहल की जा रही है। राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू कर किया गया है। नई शिक्षा नीति के तहत कक्षा 5वीं तक बच्चों को स्थानीय भाषा-बोली में शिक्षा दिए जाने का प्रावधान किया गया है। प्रदेश के 341 स्कूलों में पीएमश्री योजना शुरू की गई है, जिसके तहत इन स्कूलों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस योजना के तहत स्कूलों में स्थानीय भाषाओं के साथ-साथ रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसे आधुनिक विषयों को भी पढ़ाया जाएगा। पीएमश्री स्कूल अंतर्गत आदिवासी बहुल इलाकों में भी स्कूलों को अपग्रेड किया रहा है, जिससे इन क्षेत्रों के बच्चों को भी आधुनिक, ज्ञानपरक और कौशल युक्त शिक्षा मिल रही है।

रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन संलिप्त एक पनडुब्बी नुमा मशीन व चेन माउन्टेन, दो हाईवा तथा तीन ट्रैक्टर जब्त

❑ खनिज विभाग की टीम की ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी

रायपुर

कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में रायपुर जिले में गौण खनिजों के उत्खनन एवं अवैध परिवहन के मामले में कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। उप संचालक खनिज के.के. गोलघाटे के निर्देशन में खनिज अधिकारियों की टीम अलग-अलग क्षेत्रों में दबिश देकर अवैध उत्खनन एवं परिहवन में संलिप्त लोगों के विरूद्ध कार्रवाई कर रही है।

खनिज विभाग के सुपरवाइजर सुनीलदत्त शर्मा एवं उनकी टीम ने बीते दिनों आरंग इलाके के ग्राम गुदगुदा में रेत अवैध खनन में संलिप्त पनडुब्बी नुमा मशीन, एक चेन माउन्टेन और एक हाईवा को मौके से जप्त कर थाना आरंग के सुपुर्द करने की कार्रवाई की। इससे पूर्व इस टीम ने रेत के अवैध परिवहन कर रहे तीन टैक्टर एवं एक हाईवा को आरंग के समीप ग्राम कुरूद से जब्त कर थाना गिद्धपुरी को सुपुर्द किया। इस कार्रवाई में सुपरवाइजर बेलचंदन, डी के साहू व सैनिक रूपेश चंद्राकर, राजू बर्मन, गोलू वर्मा, केदार वर्मा, लुकेश वर्मा, प्रेम कुर्रे एवं पुलिस के जवानों का सहयोग रहा।

कोरिया जिले में बाघ के मृत होने की सूचना पर वन विभाग सतर्क

❑ वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए दिए गए निर्देश

रायपुर

कोरिया जिले में एक बाघ की मौत की खबर ने वन विभाग को सतर्क कर दिया है। आज गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के संचालक एवं वनमण्डलाधिकारी बैकुंठपुर ने इस सम्बंध में जानकारी दी है कि 8 नवम्बर 2024 को दोपहर एक बजे ग्रामीणों से परिसर रक्षक गरनई को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम कटवार के पास खनखोपड़ नाला के किनारे एक बाघ की मृत्यु हुई है।

घटना स्थल बीट गरनई, सर्किल रामगढ़, परिक्षेत्र सोनहत, कोरिया वनमण्डल के असीमांकित वनक्षेत्र के समीप है। संबंधित वनरक्षक के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया। तत्काल वन मण्डलाधिकारी कोरिया, संचालक गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान बैकुन्ठपुर, उप वनमण्डलाधिकारी उत्तर बैकुन्ठपुर, मुख्य वन संरक्षक सरगुजा वन वृत्त अम्बिकापुर, वन संरक्षक (वन्यप्राणी) सरगुजा मौके पर पहुंचे। वन विभाग के कर्मचारियों की टीम के द्वारा घटना स्थल के आसपास डेढ़ से दो किलोमीटर परिधि में तलाशी की गई।

प्रारंभिक जांच में यह पाया गया कि बाघ का शव दो-तीन दिन पुराना था। 9 नवम्बर को वन विभाग, पुलिस, एनटीसीए प्रतिनिधि और ग्रामीणों की उपस्थिति में चार सदस्यीय पशु चिकित्सकों की टीम द्वारा बाघ का पोस्टमार्टम किया गया। जांच में यह भी पाया गया कि बाघ के स्किन, नाखून, दाँत और अन्य सभी अंग सुरक्षित थे, किसी भी प्रकार का अंग-भंग नहीं हुआ था। पोस्टमार्टम के बाद बाघ का दाह संस्कार कर दिया गया और उसके महत्वपूर्ण अंगों को प्रयोगशाला परीक्षण के लिए संरक्षित किया गया। इस मामले में गोमर्दा अभ्यारण्य के डॉग स्क्वायड और वन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा आसपास के क्षेत्रों में सघन जांच की गई।सम्पूर्ण कार्यवाही के दौरान अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) रायपुर उपस्थित रहे एवं समस्त वन अधिकारियों/कर्मचारियों को अपराधियों की पतासाजी करने एवं वाइल्ड लाइफ क्राइम की रोकथाम के लिए कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

पीएमश्री जनमन योजना के तहत कमार जनजाति के लोग हुए शासन की योजनाओं से लाभान्वित

❑ बल्दाकछार एवं अवरई ग्राम में 11 योजनाओं में शतप्रतिशत लक्ष्य हासिल

रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में राज्य में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इसी कड़ी में बलौदाबाजार जिले के ग्राम बल्दाकछार एवं अवरई में रहने वाले विशेष पिछडी जनजाति कमार के शतप्रतिशत लोगों को प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया गया है। योजना के तहत अब तक 11 योजनाओं में शतप्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। बल्दाकच्छार में 39 और अवरई में 11 विशेष पिछडी जनजाति कमार परिवार रहते हैं जिनकी कुल जनसंख्या लगभग 193 है।अब दोनों ही गांव के कमार जनजाति के सभी लोगों का आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड व जाति प्रणाम पत्र बन गया है। महिलाओं के जनधन बैंक खाते खुल गए हैं। पात्रतानुसार किसान क्रेडिट कार्ड, राशन कार्ड, पीएमश्री किसान सम्मान निधि एवं पीएमश्री मातृत्व वंदन योजना का लाभ मिला है। सभी की सिकल सेल जांच एवं सभी घरों में विद्युतीकरण हो गया है। इसके साथ ही 2 मोबाइल मेडिकल यूनिट की भी सुविधा विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों को प्रदान की गयी है।

15 नवम्बर 2023 से शुरू हुए प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत विशेष पिछडी जनजाति कमार बाहुल्य ग्राम बल्दाकछार और अवरई में संतृप्तिकरण अभियान शुरू किया गया। इसमें योजना से छूटे हुए लोगों का चिन्हांकन उपरांत उन्हें लाभान्वित करने पर जोर दिया गया और एक वर्ष के अन्दर ही 11 योजनाओं से शतप्रतिशत लोगों को लाभान्वित किया गया।

गौरतलब है कि पीएमश्री जनमन योजना का मूल उद्देश्य कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी), परिवारों और बस्तियों तक बुनियादी सुविधाओं और सेवाओं को पहुंचाकर उनकी सामाजिक, आर्थिक स्थितियों में सुधार करना है। पीएमश्री जनमन योजना अंतर्गत कमजोर जनजाति समूहों के बसाहटों में विभिन्न विभागों के समन्वय से पेयजल, आवास, सड़क, आंगनबाड़ी के माध्यम से पोषण, आजीविका संवर्धन हेतु कौशल विकास जैसे महत्वपूर्ण गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

आईआरसी की 83वीं वार्षिक बैठक : सड़क अनुसंधान और गुणवत्ता नियंत्रण पर प्रस्तुतियां एवं चर्चाएं

रायपुर

राजधानी रायपुर स्थित सांईस कॉलेज ग्राउण्ड में आयोजित इंडियन रोड कांग्रेस के 83वें वार्षिक अधिवेशन के तीसरे दिन विभिन्न सत्रों के माध्यम से सड़क निर्माण, अनुसंधान और गुणवत्ता नियंत्रण पर चर्चा की गई है।

आज के तकनीकी सत्र में प्रधान सचिव, सचिव और मुख्य अभियंता की बैठक का आयोजन हुआ, जिसके साथ ही सत्र 13 में 'भारत में किए गए सड़क अनुसंधान कार्य' पर विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गई। इसके बाद, सत्र 14 में राज्य सरकार के पीडब्ल्यूडी, स्थानीय निकाय और पीएसयू के अधिकारियों द्वारा सड़क निर्माण से संबंधित नवीनतम कार्यों पर चर्चा की गई।

द्वितीय तकनीकी सत्र में आईआरसी जर्नल में प्रकाशित शोध पत्रों पर प्रस्तुतियाँ (समानांतर सत्र) और 'हाईवे परियोजनाओं में गुणवत्ता आश्वासन और गुणवत्ता नियंत्रण' पर एक पैनल चर्चा आयोजित हुई। इसके पश्चात राज्य सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गई, जिनमें उन्होंने अपनी परियोजनाओं और अनुभवों को साझा किया। व्यावसायिक बैठक में वार्षिक कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा की गई।

बागबाहरा जंगल से रेस्क्यू कर सफेद पूंछ वाले बीमार गिद्ध की बचाई जान

❑ नंदनवन जंगल सफारी के अधिकारियों का सराहनीय प्रयास

❑ 500 किलोमीटर की उड़ान के बाद यह गिद्ध पहुंचा था बागबाहरा वनक्षेत्र में

रायपुर

राजधानी रायपुर के समीप स्थित नंदनवन जंगल सफारी के वन अधिकारियों एवं चिकित्सकों की टीम ने विलुप्त प्रजाति के सफेद पूंछ वाले बीमार गिद्ध का रेस्क्यू कर उसकी जान बचाने में सफल रही है। यह बीमार गिद्ध लगभग 500 किलोमीटर की उड़ान भरता हुआ बीते दिनों छत्तीसगढ़ राज्य के महासमुंद वनक्षेत्र के बागबाहरा पहुंचा था। इस बीमार गिद्ध के रेस्क्यू के बाद नंदनवन जंगल सफारी के वन्य चिकित्सकों एवं वन अधिकारियों ने बड़ी सावधानी के साथ इस गिद्ध का रेस्क्यू कर इलाज किया। इसके स्वास्थ्य पर सतत निगरानी रखी, जिसके चलते कुछ ही दिनों में यह गिद्ध स्वस्थ एवं सामान्य स्थिति में आ गया। जंगल सफारी की टीम ने इस गिद्ध को फिर से उड़ान भरने के लिए छोड़ दिया है।

नंदनवन जंगल सफारी के अधिकारियों द्वारा बीमार गिद्ध के बचाव कार्य की मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं वन मंत्री केदार कश्यप ने सराहना की है। उन्होंने गिद्ध के रेस्क्यू ऑपरेशन और इलाज में लगी अधिकारियों की टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विलुप्त होती गिद्ध की इस प्रजाति का छत्तीसगढ़ के अधिकारियों द्वारा बचाव के लिए किए गए प्रयासों की जितनी सराहना की जाए कम है।

गौरतलब है कि सफेद पूंछ वाला गिद्ध (वाईट रुम्पड वल्चर) एक संकट ग्रस्त प्रजाति है। वर्तमान में इस प्रजाति की संख्या देश में 13 हजार से भी कम रह गई है। यह गिद्ध बड़े पेड़ों पर घोंसला बनाते हैं और साल भर में केवल एक ही अंडा देते हैं, जिससे इनकी संख्या बढ़ने की गति धीमी होती है। ये गिद्ध केवल उन्हीं क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जहां जैव विविधता समृद्ध होती है और प्रदूषण या औद्योगीकीकरण का प्रभाव कम होता है। गिद्ध के इस प्रजाति के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में भारत में वाईट रुम्पड वल्चर की निगरानी और संरक्षण के लिए बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बीएनएचएस) और ताडोबा अंधेरी टाइगर रिजर्व ने एक विशेष पहल करते हुए 10 सफेद पूंछ वाले एक गिद्धों को एक साथ जियो-ट्रैकिंग उपकरण के साथ जंगल में छोड़ा गया था, जिसमें से एक गिद्ध महाराष्ट्र राज्य में उड़ान भरते हुए छत्तीसगढ़ के इन्द्रावती टाईगर रिजर्व होते हुए कांकेर जिले से महासमुंद वन क्षेत्र बागबाहरा में पहुंच गया था। नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बीएनएचएस) और ताडोबा अंधेरी टाइगर रिजर्व का गिद्धों को छोड़ने उद्देश्य उनके प्रवास मार्गों का अध्ययन करने के साथ-साथ उनको प्राकृतिक आवास में सुरक्षित रख उनका संरक्षण और संवर्धन करना था। उन 10 गिद्धों में से एक गिद्ध 20 दिनों में लगभग 500 किलोमीटर की उड़ान भरने के बाद महासमुंद वन क्षेत्र में आ गया था। बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बीएनएचएस) की निगरानी टीम ने जियो-ट्रैकिंग उपकरण की मदद से जाना कि यह गिद्ध बागबाहरा जंगल मे एक ही स्थान पर लंबे समय तक रुका हुआ है। इस स्थिति को देखते हुए उन्होंने नंदनवन जंगल सफारी रायपुर के अधिकारियों से सम्पर्क किया और पूरी स्थिति की जानकारी दी।

नंदनवन जंगल सफारी के वन्यजीव डॉक्टरों और वन अधिकारियों की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बागबाहरा क्षेत्र से गिद्ध का सुरक्षित रेस्क्यू किया और 26 अगस्त को उसे नंदनवन जंगल सफारी ले आए। यहां चिकित्सकों की देखरेख में गिद्ध को उचित उपचार और पोषण दिया गया, जिससे वह स्वस्थ होने लगा। कुछ दिनों में ही गिद्ध पूरी तरह से स्वस्थ हो गया और उसकी सक्रियता लौट आई।

नंदनवन जंगल सफारी के संचालक धम्मशील गणवीर ने बताया कि नंदनवन जंगल सफारी से वन्य जीव चिकित्सकों के सलाह के आधार पर 26 सितंबर 2024 को गिद्ध को फिर से उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ा गया, जिसके बाद यह गिद्ध यहाँ से 1100 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करते हुए गुजरात राज्य के सूरत इलाके में पहुंच गया है। इस गिद्ध की लोकेशन की ट्रेकिंग बीएनएचएस द्वारा की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480